तेरापंथ युवक परिषद का 43वां राष्ट्रीय अधिवेशन

वैश्विक समस्याओं के समाधान में लगे युवा शक्ति : आचार्य महाप्रज्ञ

लाडनूं 25 अक्टूबर, 2009।

आचार्य महाप्रज्ञ ने अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के 43वें राष्ट्रीय अधिवेशन में सज़्पूर्ण देश की शाखा परिषदों से जैन विश्व भारती पहुंचे युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि तेरापंथ युवक परिषद एक शक्तिशाली संगठन है। इस संगठन को विश्व व्यापी बनाना है। संगठन के युवाओं की शक्ति वैश्विक समस्याओं के समाधान में लगनी चाहिए। यह कार्य दुष्कर है, पर जहां संकल्प होता है वहां कुछ भी दुस्कर नहीं रहता।

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि हम समृद्ध हैं, गरीब नहीं इस बात की अनुभूति होनी चाहिए। हमारे पास अनन्त ज्ञान, अनन्त दर्शन, अनन्त चरित्र, अनन्त आनन्द के रूप में सबसे बड़ी समृद्धि हमारे पास है। उन्होंने कहा कि हमें जैन धर्म मिला है। विश्व की जटिल से जटिल समस्याओं को सुलझाने का मार्ग बताने वाली भगवान महावीर की वाणी प्राप्त है। मैंने पश्चिमी दर्शन पढे, अर्थशास्त्र का अध्ययन किया तो लगा एक कमी है। अगर पश्चिमी लोगों के पास अनेकांत का दर्शन होता, सापेक्षता, समन्वय एवं सहअस्तित्व का दर्शन होता तो दुनिया बहुत अच्छी होती। अनेकांत के अभाव में एकांतिक दृष्टिकोण के कारण विश्व समस्याओं से जुझ रहा है।

राष्ट्रसंत ने कहा कि परिषद ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण करे जो जैन दर्शन, अणुव्रत और आचार्य तुलसी द्वारा विभिन्न प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व कर सके और अन्तर्राष्ट्रीय कॉज्रेंस में प्रस्तुति दे सके। उन्होंने आचार्य तुलसी जन्मशताब्दी वर्ष तक जैन दर्शन, तेरापंथ, अणुव्रत, प्रेक्षाध्यान, अहिंसा आदि क्षेत्रो के 5-5 युवाओं को प्रवक्ता तैयार करने पर ध्यान की जरूरत बताई।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि युवक परिषद एक तरह की वानर सैना है। जिसमें सक्रियता, स्फूर्ति है इस युवा सेना को बुराइयों पर अच्छाई की विजय के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि पुरुषार्थ करना आदमी का धर्म है। उसे भाज्य भरोसे न बैठना पुरूषार्थ पर ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीतकुमार ने किया।

जैन विद्या कार्यशालाओं के विजेताओं को मिले पुरस्कार

जैन विश्व भारती स्थित सुधर्मा सभा में आयोजित कार्यक्रम में समण संस्कृति संकाय एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के संयुक्त प्रयासों सज़्पूर्ण देश में जैन विद्या कार्यशालाओं में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम दस स्थानों पर रहने वाले संभागियों को जैन विश्व भारती के अध्यक्ष सुरेन्द्र चौरड़िया, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष मर्यादा कुमार कोठारी एवं पुरस्कार प्रायोजक मालचन्द बेगानी ने स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सज़्मानित किया। इन कार्याशालाओं के सुचारू रूप आयोजन में संकाय के निदेशक जिनेन्द्र कोठारी, अभातेयुप के सहमंत्री निलेश बैद, राजेश सुराणा, कैलाश डूंगरवाल, रमेश खटेड़, राजश्री डागा का विशेष योगदान रहा। युवाचार्य महाश्रमण ने कार्यकर्त्ताओं को कार्यशालाओं के सफल संचालन हेतु आशीर्वाद प्रदान किया। इसी कार्यक्रम में अभातेयुप द्वारा आयोजित तेरापंथ किशोर प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान पाने वालों को 11 हजार का चैक, द्वितीय स्थान पर रहने वालों को 7 हजार का चैक एवं तृतीय स्थान पर रहने वालों को 5 हजार का चैक राष्ट्रीय अध्यक्ष मर्यादा कोठारी, महामंत्री गौतम डागा, प्रतियोगिता प्रायोजक राजकुमार फतावत ने प्रदान किये।

10 करोड़ लागत से ह्यूस्टन में बना जैन विश्व भारती का सेंटर

लाडनूं 25 अक्टूबर।

आचार्य महाप्रज्ञ की अनुशासना में विश्व व्यापी आयामों पर कार्य करने वाली जैन विश्व भारती की झलक अब सात समुद्र पार भी देख सकेंगे। अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में प्रेक्षाध्यान के साधकों ने आचार्य महाप्रज्ञ के अवदानों से प्रभावित होकर एवं अमेरिकावासियों को उनसे लाभान्वित करने के लिए दस करोड़ लागत से जैन विश्व भारती के सेंटर का निर्माण किया है इस सेंटर के उद्घाटन अवसर पर सज़्मलित होकर पहुंचे जैन विश्व भारती के अध्यक्ष सुरेन्द्र चौरड़िया ने बताया कि अनेकों देशों में जैन विश्व भारती के सेंटर चल रहे हैं उनमें ह्यूस्टन का नवीन सेंटर सबसे बड़ा है। विदेश के इन सेंटरों में आचार्य महाप्रज्ञ की शिष्याएं समणीगण प्रवास करती है जो जैन दर्शन एवं प्रेक्षाध्यान जीवन विज्ञान, अणुव्रत, अहिंसा प्रशिक्षण आदि पर कार्य करती है।

अध्यक्ष चौरड़िया ने बताया कि ह्यूस्टन के सेंटर जिस दिन लोकार्पण किया गया उस दिन को वहां के मेयर ने प्रेक्षा डे के रूप में मनाने की घोषणा की।

फोटो 1: प्रथम दस स्थानों पर रहने वाले संभागियों को जैन विश्व भारती के अध्यक्ष सुरेन्द्र चौरड़िया, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद राष्ट्रीय अध्यक्ष मर्यादा कुमार कोठारी एवं पुरस्कार प्रायोजक मालचन्द बेगानी ने स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित करते हुए।

फोटो 2 : अभातेयुप द्वारा आयोजित तेरापंथ किशोर प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान पाने वालों को चैक प्रदान करते हुए गौतमचन्द डागा।